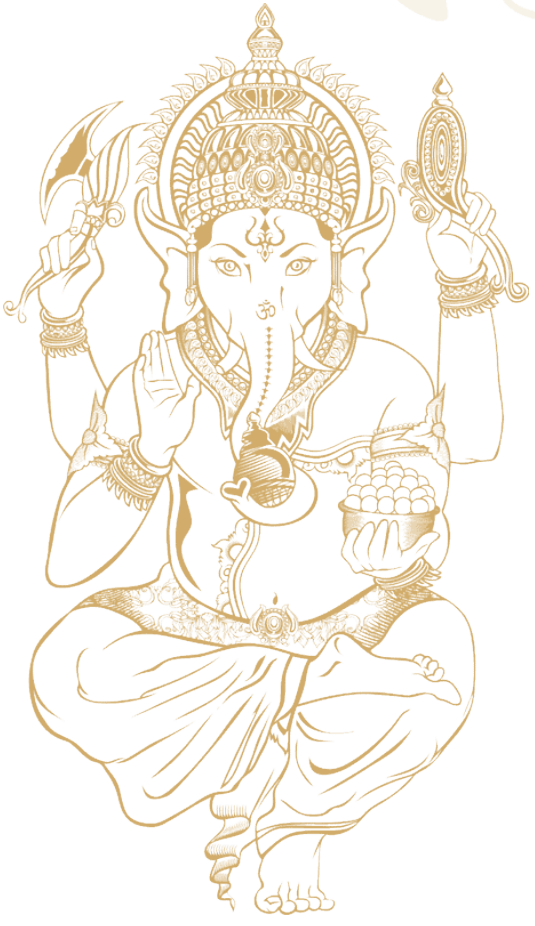

Mr.Divyanshu raj

10 Nov 2025

07:35 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121011703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/11/2025**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:35:00 घंटे**
इष्ट	34:12:30 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:55:16 घंटे
वेलान्तर	00:16:08 घंटे
साम्पातिक काल	23:15:12 घंटे
सूर्योदय	05:53:59 घंटे
सूर्यास्त	16:53:18 घंटे
दिनमान	10:59:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:12:42 तुला
लग्न के अंश	06:28:52 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:28:52	330:03:50	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			तुला	24:12:42	01:00:17	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कर्क	03:47:06	13:50:09	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल		अ	वृश्चि	10:07:42	00:43:20	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध	व		वृश्चि	12:35:44	00:07:12	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु			कर्क	00:55:53	00:00:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	10:20:40	01:15:12	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:12:41	00:01:50	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	21:56:53	00:02:44	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:56:53	00:02:44	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:40:49	00:02:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:24:00	00:00:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:19:40	00:00:47	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	23:36:20	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:09

लग्न-चलित

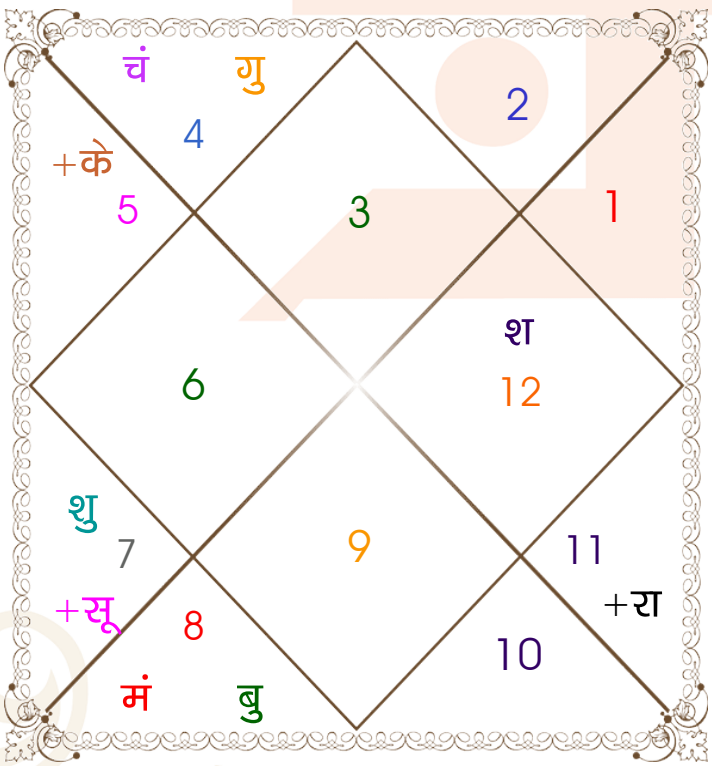

चन्द्र कुंडली

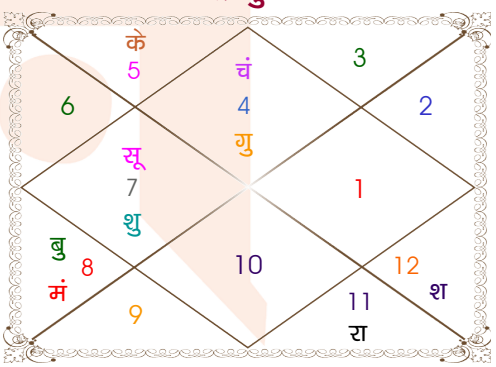

नवमांश कुंडली

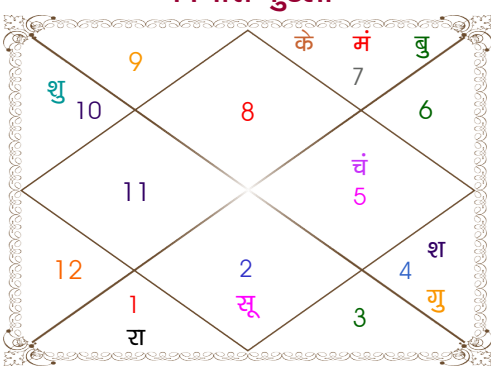

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 4 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/11/2025		20/03/2044		20/03/2061		20/03/2068		20/03/2088	
20/03/2044		20/03/2061		20/03/2068		20/03/2088		20/03/2094	
शनि	23/03/2028	बुध	17/08/2046	केतु	16/08/2061	शुक्र	20/07/2071	सूर्य	08/07/2088
बुध	01/12/2030	केतु	14/08/2047	शुक्र	17/10/2062	सूर्य	20/07/2072	चंद्र	06/01/2089
केतु	10/01/2032	शुक्र	14/06/2050	सूर्य	21/02/2063	चंद्र	20/03/2074	मंगल	14/05/2089
शुक्र	12/03/2035	सूर्य	20/04/2051	चंद्र	22/09/2063	मंगल	21/05/2075	राहु	08/04/2090
सूर्य	22/02/2036	चंद्र	19/09/2052	मंगल	19/02/2064	राहु	20/05/2078	गुरु	25/01/2091
चंद्र	22/09/2037	मंगल	16/09/2053	राहु	08/03/2065	गुरु	18/01/2081	शनि	07/01/2092
मंगल	01/11/2038	राहु	04/04/2056	गुरु	12/02/2066	शनि	20/03/2084	बुध	12/11/2092
राहु	07/09/2041	गुरु	11/07/2058	शनि	24/03/2067	बुध	19/01/2087	केतु	20/03/2093
गुरु	20/03/2044	शनि	20/03/2061	बुध	20/03/2068	केतु	20/03/2088	शुक्र	20/03/2094

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/03/2094		21/03/2104		22/03/2111		21/03/2129		21/03/2145	
21/03/2104		22/03/2111		21/03/2129		21/03/2145		00/00/0000	
चंद्र	19/01/2095	मंगल	17/08/2104	राहु	02/12/2113	गुरु	09/05/2131	शनि	11/11/2145
मंगल	20/08/2095	राहु	05/09/2105	गुरु	27/04/2116	शनि	20/11/2133		00/00/0000
राहु	18/02/2097	गुरु	12/08/2106	शनि	03/03/2119	बुध	26/02/2136		00/00/0000
गुरु	20/06/2098	शनि	20/09/2107	बुध	20/09/2121	केतु	01/02/2137		00/00/0000
शनि	19/01/2100	बुध	17/09/2108	केतु	08/10/2122	शुक्र	03/10/2139		00/00/0000
बुध	21/06/2101	केतु	13/02/2109	शुक्र	08/10/2125	सूर्य	21/07/2140		00/00/0000
केतु	20/01/2102	शुक्र	15/04/2110	सूर्य	02/09/2126	चंद्र	20/11/2141		00/00/0000
शुक्र	20/09/2103	सूर्य	21/08/2110	चंद्र	03/03/2128	मंगल	27/10/2142		00/00/0000
सूर्य	21/03/2104	चंद्र	22/03/2111	मंगल	21/03/2129	राहु	21/03/2145		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 4 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।